A-0431

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DMA-103

ज्योतिषशास्त्र में विविध व्याधि योग

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. ज्योतिषशास्त्र का परिचय देते हुए तदनुसार प्रमुख रोगों का निर्धारण कैसे किया जाता है? स्पष्ट कीजिये।

Q.2. हृदय रोग का ज्योतिषीय विश्लेषण करें।

Q.3. कालपुरूष का परिचय दीजिये। तदाधारित रोगों की व्याख्या कीजिये।

Q.4. ज्योतिष एवं रोग के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिये।

Q.5. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार उदर विकार का विश्लेषण कीजिये।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. अस्थि रोग का ज्योतिषीय व्याख्या करें।

Q.2. नासिका एवं कर्ण रोग का ज्योतिषीय आधार क्या है? इसका वर्णन कीजिए।

Q.3. ग्रन्थाधारित स्नायु रोग का वर्णन करें।

Q.4. पाद रोग का ज्योतिषीय विश्लेषण कीजिये।

Q.5. वक्ष एवं क्षय रोग का वर्णन करें।

P.T.O.

Q.6. ज्योतिष के अनुसार मुख रोग का संक्षिप्त वर्णन करें।

Q.7. स्त्रीरोग निर्धारण में ज्योतिष की क्या भूमिका है?

Q.8. गुर्दा रोग का ज्योतिषीय व्याख्या करें।

****